कामये दुःखतप्तानाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

आज़ादी का अमृत महोत्सव

# जागृति

वार्षिकांक

वर्ष: 66 अंक: 01 मुम्बई दिसम्बर 2021

## एमएसएमई मंत्री ने आई.आई.टी.एफ. में खादी इंडिया पवेलियन का उद्घाटन किया; केवीआईसी ने आत्मनिर्भर भारत की झलक प्रदर्शित की



# भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका
खादी और ग्रामोद्योग आयोग

कामये दुःखतप्तानाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

# जागृति

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

## सम्पादकीय मण्डल

अध्यक्ष
श्रीमती प्रीता वर्मा

संपादक
एम. राजन बाबू

सह संपादक
संजीव पोसवाल

उप संपादक
सुबोध कुमार

डिजाईन व पृष्ठसज्जा

संजय सोमदे
वरिष्ठ कलाकार

चंद्रशेखर पुनवटकर
कलाकार

दिलिप पालकर
कलाकार

प्रचार, फ़िल्म एवं लोक शिक्षण
कार्यक्रम निदेशालय द्वारा
खादी और ग्रामोद्योग आयोग,
ग्रामोदय, 3 इर्ला रोड, विले पार्ले (पश्चिम),
मुंबई -400056 के लिए ई-प्रकाशित
ईमेल: kvicpub@gmail.com
वेबसाइट: www.kvic.org.in

आवश्यक नहीं कि पत्रिका में प्रकाशित लेखों तथा विचारों से खादी और ग्रामोद्योग आयोग अथवा संपादक सहमत हों

## इस अंक में.....

समाचार सार 03-14

एमएसएमई मंत्री ने आई.आई.टी.एफ. में खादी इंडिया पवेलियन का उद्घाटन किया......... 3
आईआईटीएफ में खादी पवेलियन का दौरा किया ........................................................ 5
आईआईटीएफ के खादी इंडिया पवेलियन में मैक्सिको के राजदूत ............................ 6
श्री नारायण राणे द्वारा अनुपम एंटी-बैक्टीरियल कपड़े का शुभारंभ............................. 9
एमएसएमई मंत्री ने रोजगार सृजन और विनिर्माण आधार के विस्तार में ......................10
केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री नारायण राणे ने सेवा क्षेत्र के लिए ............11
खादी की बिक्री ने सभी रिकॉर्ड तोड़े; कनॉट प्लेस शोरूम में 1.29 करोड़ रुपये ............12
केवीआईसी जल्द ही वाराणसी में पश्मीना उत्पादन शुरू करेगा ...............................13
ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर ..........................................................................15
आयोग के अध्यक्ष ने अहमदाबाद में निजी स्वामित्व वाले पहले खादी स्टोर का दौरा......16
आयोग ने भारतीय संविधान दिवस मनाया .................................................... 17
किसानों की आय बढ़ाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए छत्तीसगढ़ ...... 18
आयोग के सदस्य (पूर्व क्षेत्र) द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का उद्घाटन ..................... 19
चिपलूण में जन शिक्षण कार्यक्रम ..........................................................................19
रत्नागिरी, महाराष्ट्र में जन शिक्षण कार्यक्रम आयोजित ........................................ 20
"खादी अगरबत्ती आत्मनिर्भर मिशन" के तहत प्रशिक्षण एवं अगरबत्ती बनाने ............. 20
उद्यमिता पर एक राष्ट्रीय जागरूकता कार्यक्रम वेबनार .......................................... 20
उत्तराखंड में पीएमईजीपी के तहत राज्य स्तरीय .................................................. 21
मदुरै में एमएसएमई वेबिनार कार्यक्रम के तहत उद्यमिता पर एक ई-एनएलएपी ............. 21
उदलगुड़ी में पीएमईजीपी पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित ................................ 21
खादी ग्रामोद्योग की नई पहल, नदियों में प्रदूषण रोकने के लिए मंदिरों में चढ़ाए............ 23
प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी): नए स्व-रोजगार उद्यमों की............. 24
प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के तहत महिला उद्यमियों के........... 26
एक उद्यमी बनने की लालसा और समर्पण ने चप्पीडी हेमवती को शिखर ................... 26
तृप्ति ने अपनी लगन और आत्मविश्वास से मेसर्स एस.एस. किचन बर्तन निर्माण ........... 27

मीडिया कवरेज .......... 29-31

# एमएसएमई मंत्री ने आई.आई.टी.एफ. में खादी इंडिया पवेलियन का उद्घाटन किया; केवीआईसी ने आत्मनिर्भर भारत की झलक प्रदर्शित की

*भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला 2021 में भारत की बहुरंगी सामाजिक एवं सांस्कृतिक विविधता, रंग बिरंगी कढ़ाई-सिलाई और पारंपरिक शिल्प सब कुछ एक ही स्थान पर खादी इंडिया मंडप में दिखाई देता है। खादी इंडिया मंडप में आत्मनिर्भर भारत की झलक दिखाई देती है, जिसका उद्घाटन केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री नारायण राणे ने केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा, केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना और एमएसएमई सचिव श्री बी. बी. स्वाइन की उपस्थित में किया।*

भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला

खादी इंडिया मंडप में 20 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के खादी शिल्पकारों और खादी संस्थानों द्वारा 50 स्टॉल लगाए गए हैं, जिन पर उत्कृष्ट कलात्मक हस्तनिर्मित खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों का प्रदर्शन किया गया हैं।

केवीआईसी ने महिला शिल्पकारों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कुल स्टॉल्स में से 18 (36%) स्टॉल महिलाओं को दिए हैं। खादी इंडिया के इस मंडप में सबसे अधिक 10 स्टॉल दिल्ली के कारीगरों द्वारा लगाए गए हैं जबकि महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर और कर्नाटक से 5-5 स्टॉल्स लगाए गए हैं।

प्रगति मैदान के हॉल नंबर 7 डी में खादी के थीम मंडप

में आकर्षण का केंद्र है महात्मा गांधी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ सेल्फी पॉइंट। थीम मंडप में खादी के मुख्य क्षेत्रों यानी ग्रामीण अर्थव्यवस्था, प्रौद्योगिकी, बुनियादी ढांचे, युवा भागीदारी और वैश्विक बाज़ार में पहुँच को "आत्मनिर्भर भारत" के पांच स्तंभों के रूप में दर्शाया गया है।

श्री राणे ने रोजगार सृजन से जुड़ी विभिन्न पहलों के लिए के वी आई सी की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि केवीआईसी देश भर में स्व-रोजगार सृजन के द्वारा प्रशंसनीय कार्य कर रहा है और इस तरह से वह देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त कर

(शेष पृष्ठ 7 पर)

# केंद्रीय मंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी ने आईआईटीएफ में खादी पवेलियन का दौरा किया

**नई दिल्ली: केन्द्रीय विदेश और संस्कृति राज्य मंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी ने नई दिल्ली के प्रगति मैदान में चल रहे भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला 2021 में 20 नवम्बर, 2021 को "खादी भारत मंडप" का दौरा किया। श्रीमती लेखी ने ट्रेड फेयर में पारंपरिक चरखा लिया और पश्मीना ऊन भी काता।**

श्रीमती लेखी ने इलेक्ट्रिक पॉटर व्हील पर मिट्टी के बर्तनों, हस्तनिर्मित कागज बनाने, पर्यावरण के अनुकूल अगरबत्ती, हस्तनिर्मित कागज की चप्पलें और तेल निकालने आदि का प्रत्यक्ष प्रदर्शन भी देखा। केंद्रीय मंत्री ने स्वरोजगार सृजित करने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में केवीआईसी की पहल की सराहना की।

श्रीमती लेखी ने लोगों से खादी को बढ़ावा और संरक्षण देकर राष्ट्र निर्माण में योगदान करने का आह्वान किया। उन्होंने विभिन्न खादी स्टालों से सिल्क साड़ी, शहद, सिरका और लकड़ी के खिलौने खरीदे। उन्होंने लकड़ी के खिलौनों के लिए थोक ऑर्डर भी दिया।

भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला

◆◆◆

# आईआईटीएफ के खादी इंडिया पवेलियन में मैक्सिको के राजदूत को खादी की वैश्विक लोकप्रियता ने आकर्षित किया;

## राजदूत ने खादी वस्त्रों की विविधता को सराहा

**25 नवम्बर, 2021, नई दिल्ली:** खादी की बढ़ती हुई वैश्विक लोकप्रियता ने भारत में मैक्सिको के राजदूत, श्री फेडेरिको सालास का ध्यान आकर्षित किया। श्री सालास ने भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला-2021 में खादी इंडिया पवेलियन का दौरा किया। श्री सालास ने खादी की वैश्विक लोकप्रियता की सराहना करते हुए खादी पवेलियन में सेल्फी पॉइंट पर महात्मा गांधी और प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के चित्रों के साथ सेल्फी ली । खादी और ग्रामोद्योग आयोग के सदस्य (विपणन) श्री मनोज कुमार ने उनका स्वागत किया।

राजदूत श्री सालास ने पश्मीना ऊन की कताई, मिट्टी के बर्तन बनाने, लकड़ी से तेल

(शेष पृष्ठ 8 पर)

भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला

(पृष्ठ 4 से आगे)

रहा है।

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री सक्सेना ने कहा कि खादी इंडिया मंडप में प्रदर्शित खादी उत्पाद स्वदेशी और आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत की प्रगति को प्रदर्शित करते हैं, विशेष रूप से कोविड के बाद के परिदृश्य में। उन्होंने कहा कि 'खादी' स्वदेशी का सबसे बड़ा प्रतीक है। आईआईटीएफ में प्रदर्शित किए जा रहे खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों की विशाल विविधता भारत के घरेलू विनिर्माण क्षेत्र और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मज़बूती का संकेत देती है।

खादी इंडिया मंडप में उत्पादों के अलावा उन्हें बनाने के तरीके भी प्रदर्शित किए जा रहे हैं। पश्मीना बुनाई, मिट्टी के बर्तन बनाना, मधुमक्खी पालन, हाथ से कागज बनाना, अगरबत्ती बनाना, जूते-चप्पल बनाना आदि का सजीव प्रदर्शन किया जा रहा है ताकि युवाओं को स्वरोजगार गतिविधियों से जुडने के लिए शिक्षित और प्रेरित किया जा सके। एक विशेष सुविधा डेस्क भी स्थापित किया गया है जो नव उद्यमियों को प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के तहत विनिर्माण / सेवा इकाइयों की स्थापना के बारे में मार्गदर्शन करेगी।

(शेष पृष्ठ 8 पर)

(पृष्ठ 6 से आगे)

**आईआईटीएफ के खादी इंडिया पवेलियन में मैक्सिको के राजदूत को खादी की वैश्विक लोकप्रियता ने आकर्षित किया.....**

निकालने, अगरबत्ती (अगरबत्ती) और हाथ से कागज बनाने का लाइव प्रदर्शन देखा। उन्होंने बेहतरीन हस्तनिर्मित खादी वस्त्रों, रेडीमेड वस्त्रों, हस्तनिर्मित आभूषणों और ग्रामोद्योग उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला का प्रदर्शन करने वाले कई अन्य स्टॉल्स का भी दौरा किया। उन्होंने एक विद्युत चालित पोटर व्हील (चाक) के पास जाकर मिट्टी के बर्तन बनाने में भी हाथ आजमाया।

श्री सालास ने खादी इंडिया पवेलियन में प्रदर्शित उत्पादों की व्यापक विविधता और खादी कारीगरों के उत्कृष्ट शिल्प कौशल की सराहना करते हुए कहा, "मैं खादी और ग्रामोद्योग आयोग को आईआईटीएफ में एक भव्य खादी इंडिया पवेलियन स्थापित करने के लिए बधाई देता हूं, जिसने खादी कारीगरों को अपने उत्पादों को बेचने के लिए एक बड़ा मंच उपलब्ध कराया है।

खादी भारत और मैक्सिको के बीच एक विशेष संबंध स्थापित करती है और दोनों देश पूरी दुनिया में खादी को बढ़ावा देने के लिए एक साथ आने के तरीकों के बारे में काम करेंगे।"

(पृष्ठ 7 से आगे)

**एमएसएमई मंत्री ने आई.आई.टी.एफ. में खादी इंडिया पवेलियन का उद्घाटन किया.....**

खादी मंडप में पश्चिम बंगाल की मलमल, जम्मू और कश्मीर की पश्मीना, गुजरात का पटोला सिल्क, बनारसी सिल्क, भागलपुरी सिल्क, पंजाब की फुलकारी कला, आंध्र प्रदेश की कलमकारी सहित कपास, सिल्क और ऊन आदि से निर्मित कपड़ों की कई अन्य किस्मों और प्रीमियम खादी कपड़ों की एक श्रृंखला को प्रदर्शित किया गया है।

ग्रामीण उद्योग के उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला भी प्रदर्शित की गई है, जिसमें गाय के गोबर से बने अभिनव खादी प्राकृतिक पेंट, चमड़े के सामान, शहद की प्रीमियम किस्में, सौंदर्य प्रसाधन, हस्तशिल्प आदिवासी आभूषण, असम के बांस से बने उत्पाद, हर्बल दवाएं, पापड़, सूखे फल इत्यादि शामिल हैं, जो मेले में आने वालों को आकर्षित करते हैं।

मंदिरों से एकत्र किए गए बेकार फूलों से बनी पर्यावरण के अनुकूल अगरबत्ती भी बड़ी संख्या में आगंतुकों का ध्यान आकर्षित कर रही है।

# श्री नारायण राणे द्वारा अनुपम एंटी-बैक्टीरियल कपड़े का शुभारंभ

## मंत्री महोदय ने कहा कि इससे ग्रामीण रोजगार सृजित करने और पर्यावरण संरक्षण में योगदान करने में मदद मिलेगी

*26 नवम्बर, 2021, जयपुर: केंद्रीय एमएसएमई मंत्री श्री नारायण राणे ने केवीआईसी के तहत कुमारप्पा राष्ट्रीय हाथकाग़ज संस्थान, जयपुर द्वारा विकसित अनूठे एंटी-बैक्टीरियल कपड़े को लॉन्च किया।*

केंद्रीय एमएसएमई मंत्री श्री नारायण राणे ने केवीआईसी के तहत कुमारप्पा राष्ट्रीय हाथकाग़ज संस्थान, जयपुर द्वारा विकसित अनुपम एंटी-बैक्टीरियल कपड़े को लॉन्च किया। कपड़े को गाय के गोबर से निकाले गए एंटी-बैक्टीरियल एजेंट से उपचारित किया जाता है जो कपड़े में बैक्टीरिया के विकास को रोकता है। श्री राणे ने कहा, यह अभिनव कपड़ा अस्पतालों और अन्य चिकित्सा सुविधाओं में बहुत काम आ सकता है।

श्री राणे ने गाय के गोबर से बने अभिनव खादी प्रकृति पेंट और संस्थान द्वारा विकसित अनुपम प्लास्टिक-मिश्रित हस्तनिर्मित कागज की भी सराहना की। उन्होंने कहा, इन दोनों उत्पादों में पर्यावरण संरक्षण में योगदान करने के साथ, ग्रामीण रोजगार सृजित करने की काफी संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि खादी प्रकृति पेंट को देश के हर गांव तक पहुंचाने और इसे स्थायी रोजगार के मॉडल के रूप में पेश करने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे।

श्री राणे ने कहा, खादी प्रकृति पेंट एक अनूठा उत्पाद है जो रोजगार सृजन के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के दोहरे उद्देश्यों की पूर्ति कर सकता है। यह पर्यावरण के अनुकूल और लागत प्रभावी है। उन्होंने कहा कि उनके मंत्रालय का लक्ष्य देश के हर हिस्से में खादी

(शेष पृष्ठ 15 पर)

गुवाहाटी में नॉर्थ ईस्ट एमएसएमई कॉन्क्लेव

# एमएसएमई मंत्री ने रोजगार सृजन और विनिर्माण आधार के विस्तार में एमएसएमई क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया

**18 नवम्बर, 2021, नई दिल्ली: केंद्रीय एमएसएमई मंत्री श्री नारायण राणे ने कहा कि एमएसएमई क्षेत्र रोजगार सृजन और विनिर्माण आधार के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।**

**गुवाहाटी में नॉर्थ ईस्ट एमएसएमई कॉन्क्लेव में अपने विचार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान में इस क्षेत्र में 11 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार देने वाली 6 करोड़ से अधिक इकाइयाँ हैं और यह सकल घरेलू उत्पाद में 30% से अधिक योगदान के साथ आर्थिक विकास में एक महत्वपूर्ण योगदानकर्ता है और भारत से होने वाले कुल निर्यात के 49% से अधिक है।**

श्री राणे ने कहा कि भारत तभी विकसित हो सकता है जब हम पूर्वोत्तर का विकास करें और यह एमएसएमई मंत्रालय की सर्वोच्च प्राथमिकता भी है।

उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था और एमएसएमई क्षेत्र के प्रदर्शन के बीच संबंधों को कभी भी अधिक सरेखित नहीं किया गया हैं। आने वाले वर्षों में इनके बीच सामजस्य में और वृद्धि होती रहेगी।

मंत्री महोदयने कहा कि हमारी अर्थव्यवस्था पर एमएसएमई के प्रभाव को देखते हुए, यह आवश्यक है कि युवाओं में उद्यमिता को बढ़ावा देने पर बल दिया जाए और उन्हें भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास

(शेष पृष्ठ 11 पर)

# केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री नारायण राणे ने सेवा क्षेत्र के लिए ऋण से जुडी विशेष पूंजीगत अनुदान योजना (एससीएलसीएसएस) का शुभारंभ किया

**18 नवम्बर, 2021, गुवाहाटी: पूर्वोत्तर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम सम्मेलन के दूसरे दिन केंद्रीय एमएसएमई मंत्री श्री नारायण राणे ने गुवाहाटी में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में सेवा क्षेत्र के लिए ऋण से जुडी विशेष पूंजीगत अनुदान योजना (एससीएलसीएसएस) का शुभारंभ किया।**

यह योजना सेवा क्षेत्र में उद्यमों की प्रौद्योगिकी संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करेगी और इसमें अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के सूक्ष्म और लघु उद्यमों को बिना किसी क्षेत्र विशेष प्रतिबंध के प्रौद्योगिकी के उन्नयन पर संयंत्र और मशीनरी और सेवा उपकरणों की खरीद के लिए संस्थागत ऋण के माध्यम से 25% पूंजीगत अनुदान (सब्सिडी) दिए जाने का प्रावधान है।

श्री राणे ने पूर्वोत्तर क्षेत्र के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उद्यमियों को सम्मानित भी किया और युवाओं से नौकरी चाहने वालों के बजाय नौकरी देने वाले बनने के लिए उद्यमिता अपनाने का आग्रह किया। श्री राणे ने युवाओं को आश्वासन दिया कि सफल उद्यमी बनने की उनकी यात्रा में सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

उन्होंने जोर देकर कहा कि सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्र का समावेशी विकास केवल उत्तर-पूर्व के योगदान से ही पूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की अनुकूल नीतियां और एमएसएमई मंत्रालय द्वारा लागू की गई विभिन्न योजनाएं/कार्यक्रम, विशेष रूप से समाज के हाशिए पर खड़े वर्गों के लिए इस क्षेत्र को अपनी पूरी क्षमता का प्रयोग करने में मदद कर रहे हैं।

श्री राणे ने राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (एनएसआईसी) प्रशिक्षण केंद्र, गुवाहाटी के सफल प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए और सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा समर्थित प्रदर्शनी केंद्र में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति उद्यमियों के स्टालों का दौरा किया। उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियां एमएसएमई उद्यमियों,विशेष रूप से महिलाओं और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति उद्यमियों को अपने कौशल/उत्पाद दिखाने और विकास के नए अवसर पैदा करने और आत्मनिर्भरता प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती हैं।

(पृष्ठ 10 से आगे)

**एमएसएमई मंत्री ने रोजगार सृजन और विनिर्माण आधार के विस्तार में एमएसएमई क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया.....**

में एक अभिन्न भूमिका निभाने के अवसर प्रदान किए जाएं ताकि 5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था का सपना साकार हो सके।

कॉन्क्लेव में भाग लेने वाले पूर्वोत्तर राज्यों की राज्य सरकारों के मंत्रियों ने भी इस बात पर बल दिया कि इस तरह के कॉन्क्लेव से क्षेत्र में उद्यमिता को प्रोत्साहित करने और बदले हुए आर्थिक परिदृश्य में क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के प्रयासों में सहायता मिलेगी।

यह एमएसएमई मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित योजनाओं के संदर्भ में समझ विकसित करने में सहायता करेगा साथ ही राज्य सरकारों और अन्य हितधारकों के साथ संवाद का शुभारंभ करेगा जो इस क्षेत्र के लिए नीतियों के बेहतर नियोजन और निष्पादन में सहायक होगा।

◆◆◆

# खादी की बिक्री ने सभी रिकॉर्ड तोड़े;
# कनॉट प्लेस शोरूम में 1.29 करोड़ रुपये की बिक्री
## अब तक की सबसे अधिक एक दिन में बिक्री दर्ज की गई

माननीय प्रधानमंत्री की अपील के फलस्वरूप, स्थानीय उत्पादों को खरीदने के लिए लोगों की भारी भीड़ ने खादी के लिए चमत्कार किया है। 30 अक्टूबर को, नई दिल्ली के कनॉट प्लेस में अपने प्रमुख आउटलेट पर खादी की एक दिन की बिक्री 1,29,05,000 रुपये (1.29 करोड़ रुपये) की थी, जो पिछले सभी रिकॉर्ड को पार कर गई थी। इससे पहले, 2 अक्टूबर 2019 को खादी की अब तक की सबसे अधिक एक दिन की बिक्री 1,28,33,000 रुपये (1.28 करोड़ रुपये) दर्ज की गई थी।

वर्ष 2016 के बाद से यह 13वां अवसर है, जब खादी की एक दुकान पर एक दिन में बिक्री 1 करोड़ रुपये से अधिक हो गई है। यह इस साल अक्टूबर में दूसरी बार भी है जब खादी की बिक्री 1 करोड़ रुपये से अधिक हो गई है; पिछला अवसर गांधी जयंती था; यानी 2 अक्टूबर 2021, जिसकी कुल बिक्री मूल्य 1.02 करोड़ रुपये है।

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने खादी की भारी बिक्री के लिए प्रधानमंत्री की बार-बार स्थानीय उत्पादों को खरीदने की अपील को श्रेय दिया है। खादी स्वदेशी का सबसे बड़ा प्रतीक है और माननीय प्रधानमंत्री की अपील ने खादी प्रेमियों की बढ़ती भावना और उत्सव के उत्साह को जोड़ा है। श्री सक्सेना ने कहा, "खादी की रिकॉर्ड बिक्री का आंकड़ा खादी की लगातार बढ़ती स्वीकार्यता और लोकप्रियता का प्रमाण है।"

यह उल्लेखनीय है कि कोविड-19 युग में सरकार के "आत्मनिर्भर भारत" और "लोकल फॉर वोकल यानी स्थानीय के लिए मुखर" के कारण पर्यावरण के अनुकूल और हर्बल उत्पादों की मांग में कई गुना वृद्धि हुई है।

केवीआईसी लगातार बढ़ते उपभोक्ता आधार को पूरा करने के लिए नए उत्पादों को जोड़ रहा है, जो इसके बिक्री के आंकड़ों से भी प्रदर्शित हो रहा है।

### नई दिल्ली के कनॉट प्लेस के खादी शोरूम में एक दिन में सबसे अधिक बिक्री

| दिनांक | बिक्री रुपये में |
|---|---|
| 22 अक्टूबर, 2016 | 1.16 करोड़ |
| 17 अक्टूबर, 2017 | 1.17 करोड़ |
| 02 अक्टूबर, 2018 | 1.06 करोड़ |
| 13 अक्टूबर, 2018 | 1.25 करोड़ |
| 20 अक्टूबर, 2018 | 1.02 करोड़ |
| 17 नवम्बर, 2018 | 1.03 करोड़ |
| 02 अक्टूबर, 2019 | 1.28 करोड़ |
| 02 अक्टूबर, 2020 | 1.02 करोड़ |
| 24 अक्टूबर, 2020 | 1.06 करोड़ |
| 07 नवम्बर, 2020 | 1.06 करोड़ |
| 13 नवम्बर, 2020 | 1.11 करोड़ |
| 02 अक्टूबर, 2021 | 1.02 करोड़ |
| 30 अक्टूबर, 2021 | 1.29 करोड़ |

# केवीआईसी जल्द ही वाराणसी में पश्मीना उत्पादन शुरू करेगा

**वाराणसी, 30 नबंम्बर, 2021: लेह-लद्दाख और जम्मू-कश्मीर के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बनाए जाने वाले, दुनिया भर में मशहूर पश्मीना ऊन के उत्पाद अब वाराणसी में भी बनाए जाएंगे।**

खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने एक अग्रणी पहल करते हुए उत्तर प्रदेश के वाराणसी और गाजीपुर जिलों के 4 खादी संस्थानों को कच्ची पश्मीना ऊन के प्रसंस्करण तथा इसे आगे ऊनी कपड़े में बुनने के लिए मनाया है। पश्मीना का कपड़ा वाराणसी में बुना जाएगा। विरासत में प्राप्त पश्मीना बुनाई शिल्प को जम्मू-कश्मीर के बाहर पेश करने और इस अनूठी कला से शेष भारत के कारीगरों को परिचित कराने का यह पहला प्रयास है।

वाराणसी में पश्मीना बुनाई अगले साल जनवरी से शुरू होगी। वाराणसी के सेवापुरी आश्रम के 20 खादी कारीगरों को पश्मीना बुनाई में 30 दिनों का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसके लिए इन संस्थानों द्वारा पश्चिम बंगाल के 2 मास्टर प्रशिक्षकों को राजी कराया गया है । वाराणसी मंडल के इन चारों खादी संस्थानों ने दिल्ली में कच्ची पश्मीना ऊन का प्रसंस्करण शुरू कर दिया है। दिल्ली में प्रसंस्कृत लगभग 200 किलोग्राम पश्मीना ऊन दिसंबर के पहले सप्ताह तक लेह में कारीगरों को आपूर्ति की जाएगी। लेह के ये कारीगर दिसंबर के अंत तक ऊन कातेंगे, जिसे बुनाई के लिए वाराणसी लाया जाएगा। पश्चिम बंगाल से आने वाले दोनों कारीगरों को मलमल बनाने में अत्यधिक प्रशिक्षण प्राप्त है, जिसमें अति सूक्ष्म बुनाई शामिल होती है जो पश्मीना की बुनाई के समान ही होती है।

वाराणसी में पश्मीना उत्पादन करने वाली ये 4 खादी संस्थाएं हैं: कृषक ग्रामोद्योग विकास संस्थान, वाराणसी, श्री महादेव खादी ग्रामोद्योग संस्थान, गाजीपुर, खादी कंबल उद्योग संस्थान, गाजीपुर और ग्राम सेवा आश्रम, गाजीपुराकेवीआईसी से मान्यता प्राप्त इन खादी संस्थानों ने लेह-लद्दाख से कच्ची पश्मीना ऊन की खरीद शुरू कर दी है और इसे 15 नवंबर को प्रसंस्करण के लिए दिल्ली लाया गया, जिसे रेशे निकालने के लिए ले जाया जाएगा। कताई के लिए लेह में खादी कारीगरों को खुले हुए धागों के रेशे वापस भेज दिए जाएंगे, जिन्हें केवीआईसी द्वारा 100 नए मॉडल चरखे प्रदान किए गए हैं।

यह घटनाक्रम हाल ही में लद्दाख के उपराज्यपाल श्री आर. के. माथुर के साथ केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना की बैठक के बाद हुआ है, जहां उप राज्यपाल ने बताया कि लेह-लद्दाख में प्रति वर्ष लगभग 50 मीट्रिक टन कच्ची पश्मीना का उत्पादन किया जाता है, जिसमें से सफाई और प्रसंस्करण के बाद, पश्मीना ऊन उत्पादों के उत्पादन के लिए वास्तव में केवल 15 मीट्रिक टन ऊन का उत्पादन किया जाता है। लेह-लद्दाख में कुछ छोटी इकाइयों द्वारा पश्मीना उत्पादों के निर्माण के लिए केवल 15 मीट्रिक टन डीहेयर्ड पश्मीना ऊन का उपयोग किया जाता है, जो कि केवल 500 किलोग्राम मात्रा, यानी 0.5 मीट्रिक टन है, जिससे लद्दाख में रोजगार का नुकसान हो रहा है।

वाराणसी की इन खादी संस्थानों ने हाल ही में लेह से 500 किलोग्राम कच्ची पश्मीना ऊन खरीदी है और इसे प्रसंस्करण, यानी डीहेयरिंग और रेशे में बदलने के लिए दिल्ली

लाया गया है। केवीआईसी के अध्यक्ष, श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा, "इस कदम से न केवल लद्दाख में बिना बालों वाली पश्मीना ऊन की पूरी गुणवत्ता का उपयोग सुनिश्चित होगा, बल्कि स्थानीय कारीगरों के लिए रोजगार के नए अवसर भी खुलेंगे और वाराणसी में वास्तविक तथा सस्ती पश्मीना ऊन उत्पादों की उपलब्धता भी होगी। केवीआईसी इन खादी संस्थानों को ऑनलाइन मार्केटिंग सहायता भी प्रदान करेगा। यह एक पथप्रदर्शक पहल होगी क्योंकि पश्मीना का उत्पादन पहली बार जम्मू-कश्मीर और लेह-लद्दाख क्षेत्र के बाहर किया जाएगा।"

**वाराणसी की खादी संस्थाओं ने अब विश्व स्तर पर सराही जा रही पश्मीना के बनाने के लिए कदम उठाए हैं। लेह में खादी कारीगरों को कताई के लिए पश्मीना ऊन की आपूर्ति करने के लिए संस्थाओं ने दिल्ली में कच्ची पश्मीना ऊन का प्रसंस्करण शुरू कर दिया है। केवीआईसी ने लद्दाख में रोजगार को बढ़ावा देने के लिए एक अनूठी पहल की है।**

दिल्ली में कच्चे पश्मीना ऊन का प्रसंस्करण 20 नवंबर को अध्यक्ष केवीआईसी द्वारा शुरू किया गया था। संसाधित पश्मीना ऊन की लेह-लद्दाख के कारीगरों को वापस आपूर्ति की जाएगी। दिल्ली में पश्मीना रॉ वूल प्रोसेसिंग सेंटर लेह-लद्दाख में कारीगरों को पश्मीना रेशे की साल भर आपूर्ति सुनिश्चित करेगा, जहां अत्यधिक ठंड के कारण सभी गतिविधियां छह महीने के लिए बंद रहती हैं।

ऑल चांग थांग पश्मीना ग्रोअर्स मार्केटिंग कोऑपरेटिव सोसाइटी, लेह, जहां से खादी संस्थाएं कच्ची पश्मीना ऊन खरीद रही हैं, ने भी इस कदम का यह कहते हुए स्वागत किया है कि इससे लेह-लद्दाख के स्थानीय कारीगरों को मदद मिलेगी। ऑल चांग थांग पश्मीना ग्रोअर्स मार्केटिंग कोऑपरेटिव सोसाइटी, लेह के सचिव श्री थिनले ने कहा,

(शेष पृष्ठ 16 पर)

# ग्रामीण क्षेत्रों में रोज़गार के अवसर

**29 नवंबर 2021, नई दिल्ली :** 1 जुलाई, 2020 को, एमएसएमई की नई परिभाषा को अपनाने के बाद, मेमोरेंडम ऑफ एमएसएमई द्वारा एक नया पंजीकरण पोर्टल 'उद्यम पंजीकरण' शुरू किया गया है और अब तक भारत में 2,93,226 और 32,938 वर्गीकृत उद्यम क्रमशः लघु और मध्यम उद्यम के रूप में पोर्टल पर (01.07.2020 से 23.11.2021 तक) पंजीकृत हैं।

सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा आयोजित अनिगमित गैर-कृषि उद्यमों (जुलाई 2015- जून 2016) पर एनएसएस रिपोर्ट के 73वें दौर के अनुसार; पीआई, एमएसएमई की अनुमानित संख्या 6.34 करोड़ थी और एमएसएमई क्षेत्र में श्रमिकों की अनुमानित संख्या 11.10 करोड़ थी।

एमएसएमई सेक्टर भारतीय अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण सेक्टर है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय ग्रामीण क्षेत्रों सहित देश में एमएसएमई क्षेत्र के उन्नति और विकास के लिए विभिन्न योजनाओं को लागू करता है।

इनमें सूक्ष्म और लघु उद्यम-क्लस्टर विकास कार्यक्रम (एमएसई-सीडीपी), पारंपरिक उद्योगों के उत्थान के लिए निधि योजना (स्फूर्ति), सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट (सीजीटीएमएसई) और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एक योजना, ग्रामीण उद्योग और उद्यमिता (एस्पायर) शामिल हैं।।

यह जानकारी सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री नारायण राणे ने दिनांक 29 नवम्बर, 2021 राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी।

◆◆◆

(पृष्ठ 9 से आगे)

## श्री नारायण राणे द्वारा अनुपम एंटी-बैक्टीरियल कपड़े का शुभारंभ

प्रकृति पेंट इकाइयां स्थापित करना है जो सरकार की ग्रामीण रोजगार पहल को बड़ा बढ़ावा देगी।

मंत्री ने अधिकारियों को स्थानीय रोजगार सृजित करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में प्लास्टिक-मिश्रित हस्तनिर्मित कागज इकाइयों की स्थापना की व्यवहार्यता का पता लगाने का निर्देश दिए। उन्होंने कहा, केवीआईसी द्वारा विकसित यह हस्तनिर्मित कागज इकाई सिंगल यूज प्लास्टिक के खतरे से लड़ने में बड़ी मदद करेगी। इससे एक तरफ प्रकृति से प्लास्टिक का कचरा साफ होगा और दूसरी तरफ हस्तनिर्मित कागज उद्योग में हजारों नए रोजगार सृजित होंगे और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

◆◆◆

# आयोग के अध्यक्ष ने अहमदाबाद में निजी स्वामित्व वाले पहले खादी स्टोर का दौरा किया

**आयोग के अध्यक्ष ने अहमदाबाद में एक महिला उद्यमी सुश्री पूजा कपूर द्वारा शुरू किये गये केवीआईसी से खादी मार्क प्राप्त निजी स्वामित्व वाले पहले खादी स्टोर का दौरा किया, यह स्टोर सह उत्पादन केंद्र बेहतरीन खादी उत्पादों की पेशकश करता है और यही बदलते समय के साथ खादी के परिवर्तन की विशेषता है।**

(पृष्ठ 14 से आगे)

## केवीआईसी जल्द ही वाराणसी में पश्मीना उत्पादन शुरू करेगा.....

"हमने केवीआईसी को 500 किलोग्राम कच्चे ऊन की आपूर्ति की है और भविष्य में कच्चे ऊन की किसी प्रकार की मांग को पूरा किया जायेगा क्योंकि इससे लेह-लद्दाख में खादी कारीगरों को पर्याप्त काम मिलेगा और स्थानीय पश्मीना उद्योग मजबूत होगा।"

केवीआईसी ने एक महीने के प्रशिक्षण के बाद लेह-लद्दाख के 4 गांवों में स्थानीय कारीगरों को पश्मीना ऊन की कताई गतिविधियों को शुरू करने के लिए 8 तकली वाले 100 नए मॉडल चरखे प्रदान किए। ये गांव हैं: लिकिर, सास्पोल, शक्ति और लेह शहर। वाराणसी संभाग के इन 4 संस्थानों ने कारीगरों को गोद लिया है और विशेष मामले के रूप में 20 रुपये प्रति लच्छा कताई शुल्क देने का फैसला किया है।

वर्तमान में, लेह-लद्दाख में पारंपरिक चरखे पर काम करने वाले कारीगर प्रतिदिन केवल 2-3 लच्छा पश्मीना ऊन का उत्पादन कर सकते हैं और प्रति दिन 100 रुपये से कम कमाते हैं। लेकिन अब केवीआईसी द्वारा प्रदान किए गए 8 तकली वाले न्यू मॉडल चरखे पर, कारीगर प्रति दिन 15 लच्छों तक का उत्पादन करेंगे और प्रति दिन 300 रुपये तक कमाएंगे।

लेह में एक खादी कारीगर जिन्हें केवीआईसी द्वारा चरखा प्रदान किया गया है, ने कहा कि केवीआईसी की यह पहल लेह-लद्दाख में हमारे लिए पूरे साल काम सुनिश्चित करेगी जिसके परिणामस्वरूप हमें अधिक मजदूरी मिलेगी और हमारी वित्तीय स्थिरता कायम होगी।

केवीआईसी ने लेह में 25 उच्च गुणवत्ता वाले 48 इंच चौड़ाई के करघों का वितरण भी किया है जो न केवल कारीगरों की बुनाई में लगने वाली मेहनत को कम करेगा बल्कि सभी आकार के कपड़े का उत्पादन भी करेगा। इसके लिए काम बढ़ते ही केवीआईसी और भी चरखे लगाएगा।

◆◆◆

# आयोग ने भारतीय संविधान दिवस मनाया

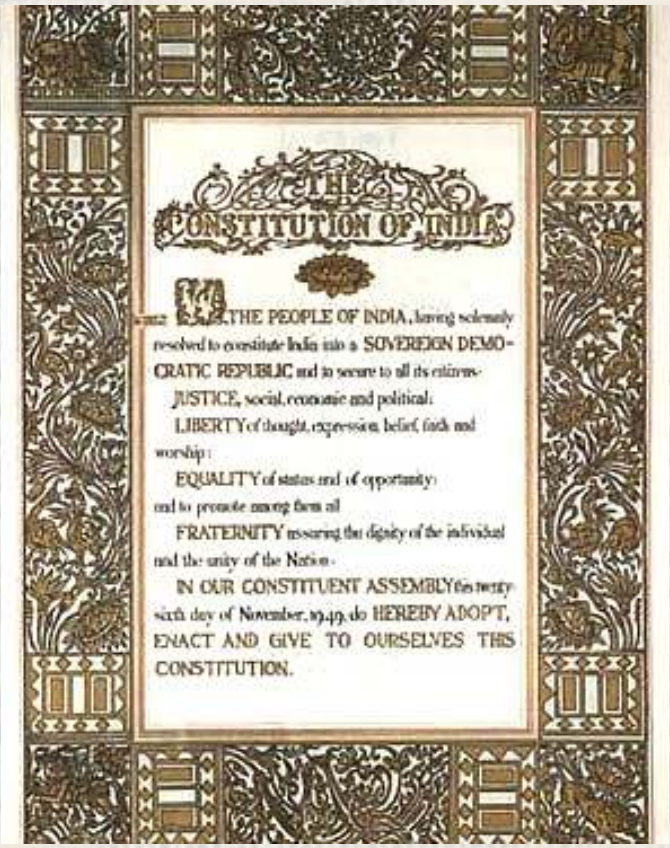

खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने भारतीय संविधान दिवस मनाया, केवीआईसी के अधिकारियों और कर्मचारियों ने 26 नवंबर 2021 को संविधान दिवस पर कर्तव्य और निष्ठा की शपथ ली । केंद्रीय कार्यालय में शपथ ग्रहण का संचालन केवीआईसी की मुख्य सतर्कता अधिकारी सुश्री संघमित्रा ने श्री वाई.के. बारामतीकर संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी, केवीआईसी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारियों की उपस्थिति में किया।

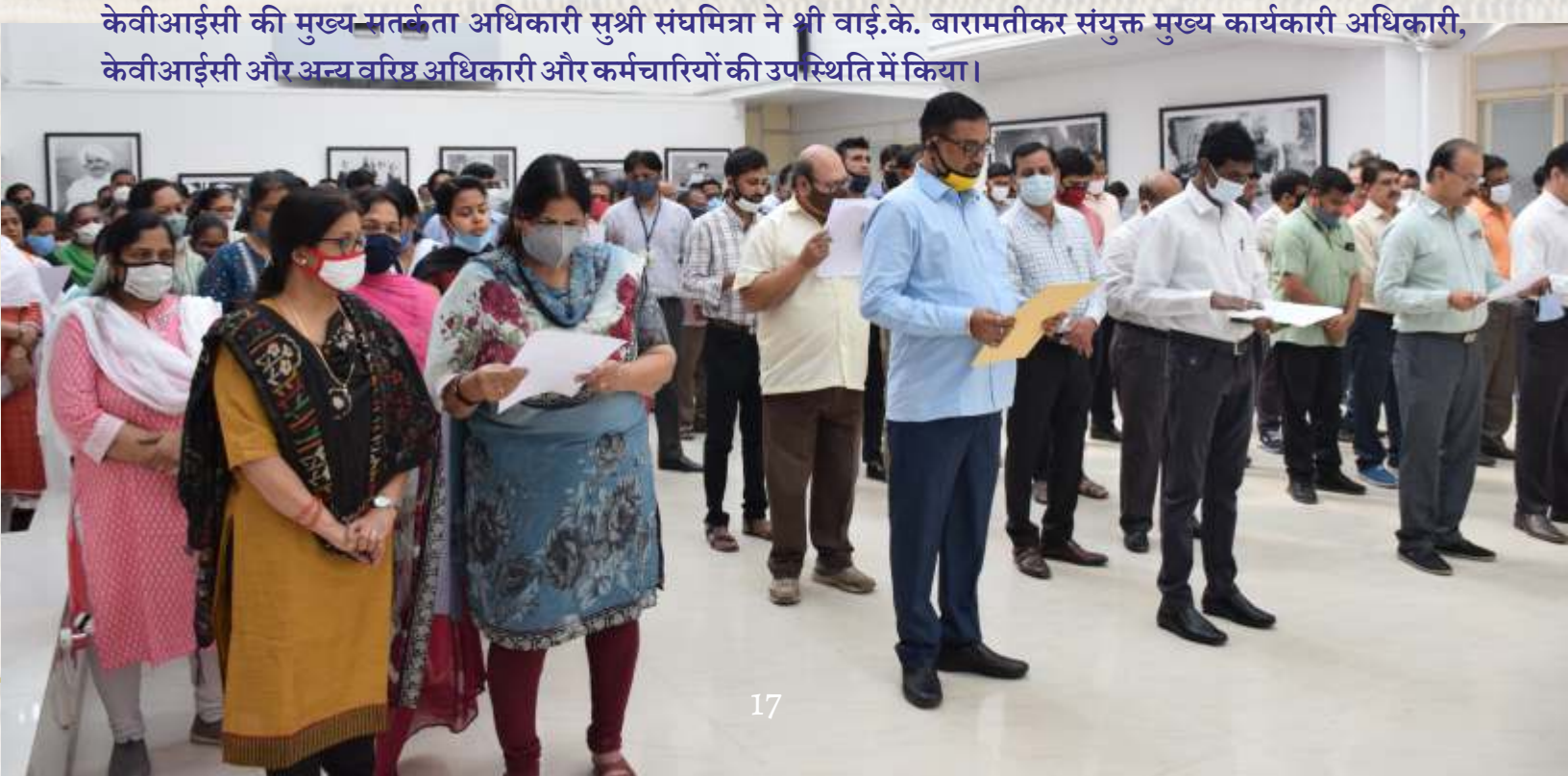

# किसानों की आय बढ़ाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए छत्तीसगढ़ और हरियाणा में 31 खादी प्राकृतिक पेंट इकाइयां

***23 नवम्बर, 2021, नई दिल्ली: खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) द्वारा गाय के गोबर को कच्चे माल के रूप में उपयोग करके विकसित अद्वितीय खादी प्राकृतिक पेंट को छत्तीसगढ़ और हरियाणा की राज्य सरकारों ने स्थायी रोजगार के एक मॉडल के रूप में अपनाया है।***

कुल 31 प्राकृतिक पेंट निर्माण इकाइयां - छत्तीसगढ़ में 25 और हरियाणा में 6 - जल्द ही संबंधित राज्य सरकारों द्वारा स्थापित की जाएंगी, जिसके लिए केवीआईसी के साथ प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। छत्तीसगढ़ सरकार ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की उपस्थिति में 21 नवंबर 2021 को केवीआईसी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। हरियाणा सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर 12 नवंबर 2021 को हस्ताक्षर किए गए थे।

हरियाणा में पहली प्राकृतिक पेंट इकाई चंडीगढ़ के पास पिंजौर में स्थापित की गई है, जहां 6000 लीटर से अधिक प्राकृतिक पेंट का उत्पादन किया जा चुका है। मार्च 2022 तक अन्य 5 पेंट निर्माण इकाइयां स्थापित की जाएंगी। छत्तीसगढ़ सरकार 25 पेंट निर्माण इकाइयों के अलावा, कार्बोक्सी मिथाइल सेल्यूलोज (सीएमसी) के निर्माण के लिए 7 5 इकाइयां भी स्थापित करेगी, जो कि प्राकृतिक पेंट का एक प्रमुख घटक है।

इन नई पेंट निर्माण इकाइयों की क्षमता प्रतिदिन 500 लीटर पेंट के उत्पादन की होगी। दोनों राज्यों में 31 नई प्राकृतिक पेंट इकाइयां लगभग 50 लाख लीटर पेंट का सालाना उत्पादन करेंगी और कई अन्य संबद्ध क्षेत्रों का समर्थन करते हुए लगभग 500 प्रत्यक्ष रोजगार सृजित करेंगी। केवीआईसी का कुमारप्पा नेशनल हैंडमेड पेपर इंस्टीट्यूट (केएनएचपीआई), जयपुर, जिसने प्राकृतिक पेंट विकसित किया है, इन राज्यों के कुशल श्रमिकों को गाय के गोबर से पेंट बनाने में प्रशिक्षण प्रदान करेगा।

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि खादी प्राकृतिक पेंट स्थायी रोजगार का एक प्रभावी मॉडल है और छत्तीसगढ़ और हरियाणा अन्य राज्यों के लिए गाय के गोबर पर आधारित प्राकृतिक पेंट इकाइयों की स्थापना के लिए उदाहरण स्थापित करेंगे। खादी प्राकृतिक पेंट पर्यावरण के अनुकूल और लागत प्रभावी उत्पाद है जिसमें स्थायी रोजगार पैदा करने और किसानों की आय बढ़ाने की काफी संभावनाएं हैं, जो कि प्रधानमंत्री का सपना है।

गोबर पेंट विकसित करने का मुख्य उद्देश्य रोजगार सृजन है जो खादी का मूल आधार है। श्री सक्सेना ने कहा कि प्राकृतिक पेंट के निर्माण के लिए किसानों और गौशालाओं से खरीदे गए गाय के गोबर से प्रति पशु प्रति वर्ष लगभग 30,000 रुपये की अतिरिक्त आय होगी।

खादी प्राकृतिक पेंट को 12 जनवरी 2021 को लॉन्च किया गया था। वाटरप्रूफ और धोने योग्य होने के अलावा, पेंट में एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-फंगल और प्राकृतिक थर्मल इन्सुलेशन गुणों जैसे गाय के गोबर के प्राकृतिक लाभ शामिल हैं। यह पेंट पर्यावरण के अनुकूल, गैर विषैले, गंधहीन और लागत प्रभावी है।

◆◆◆

## आयोग के सदस्य (पूर्व क्षेत्र) द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का उद्घाटन

आयोग के राज्य कार्यालय, कोलकाता द्वारा 17.11.2021 को होटल हिल्टन, बांकुरा में पीएमईजीपी पर जिला स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया,

जहां आयोग के माननीय सदस्य (पूर्व क्षेत्र), उप निदेशक (पूर्व क्षेत्र), एलडीएम बांकुरा के साथ 8 पीएसयू बैंक,

जिला उद्योग केन्द्र के महा प्रबंधक, राज्य खादी बोर्ड के विकास अधिकारी,आरएसईटीआई के प्रतिनिधि एवं केवीआईसी के अधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

◆◆◆

## चिपलूण में जन शिक्षण कार्यक्रम

आयोग के सी.बी.कोरा ग्रामोद्योग संस्थान, मुंबई ने ग्राम कौशल्य मार्गदर्शन केन्द्र, चिपळूण में 21/11/2021 को जन शिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया, जहां सी. बी. कोरा ग्रामोद्योग संस्थान के प्राचार्य श्री असद मालिक, कार्यकारी श्री उमाकांत डोईफोडे ने संस्थान द्वारा दिये जा रहे विभिन्न प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के बारे में जानकारी प्रदान की, इस अवसर पर सह्याद्री शिक्षण संस्था के श्री प्रकाश राजे शिके तथा ग्राम कौशल्य मार्गदर्शन केन्द्र, चिपळूण के अध्यक्षा श्रीमती प्रज्ञा जोगळेकर उपस्थित थी।

◆◆◆

# रत्नागिरी, महाराष्ट्र में जन शिक्षण कार्यक्रम आयोजित

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के सी. बी.कोरा ग्रामोद्योग संस्थान द्वारा ग्राम पंचायत, चेरवली ता. जि रत्नागिरी में दिनांक 20/11/2021 को जन शिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोग के विविध प्रशिक्षण एंव पीएमईजीपी योजना की जानकारी प्राचार्य श्री असद मालिक द्वारा जानकारी दी गयी। कार्यक्रम मे आयोग की पूर्व निदेशक पीएमईजीपी श्रीमती प्रज्ञा जोगळेकर, सी. बी.कोरा ग्रामोद्योग संस्थान के कार्यकारी, श्री उमाकांत डोईफोडे, बैक आँफ इंडिया के श्री वाघमारे, जिला परिषद सदस्य के सदस्य श्री सावंत तथा आयोजक सरपंच श्री सुरेश सावंत सहित बड़ी संख्या में स्थानीय महिलाए भी उपस्थित थी।

## "खादी अगरबत्ती आत्मनिर्भर मिशन" के तहत प्रशिक्षण एवं अगरबत्ती बनाने की मशीनें वितरित

खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा 10 दिनों के प्रशिक्षण के बाद ग्राम बोरगांव, जिला नांदेड, महाराष्ट्र में "खादी अगरबत्ती आत्मनिर्भर मिशन" के तहत 50 महिला कारीगरों को 50 पेडल संचालित अगरबत्ती बनाने की मशीनें वितरित कीं गयीं।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग हर दिन लोगों को सशक्त बना रहा है।

## उद्यमिता पर एक राष्ट्रीय जागरूकता कार्यक्रम वेबनार

आयोग के मण्डलीय कार्यालय, गोरखपुर द्वारा दिनाँक 20.11.2021 को संभव-उद्यमिता पर एक राष्ट्रीय जागरूकता कार्यक्रम वेबनार के माध्यम से गंगोत्री देवी स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय में आयोजित किया गया जिसमें मण्डलीय कार्यालय, गोरखपुर के उप निदेशक श्री एस. एस. धनकड़., नोडल अधिकारी, पी.एम.ई.जी.पी. श्री मुकेश कुमार श्रीवास्तव, श्री चित्त रंजन सेट्ठी, श्री दीपक कुमार मीना, श्री पवन कुमार मीना एवं प्राचार्य डॉक्टर श्रीमती पूनम शुक्ला ने भाग लिया।

इसके साथ ही, मण्डलीय कार्यालय, गोरखपुर द्वारा 23.11.2021 को संभव-उद्यमिता पर एक राष्ट्रीय जागरूकता कार्यक्रम वेबनार के माध्यम से नीना थापा औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र, कूड़ाघाट, गोरखपुर में आयोजित किया गया जिसमें श्री सुग्रीव राम , श्री बलराम शर्मा एवं श्री पवन कुमार मीना ने भाग लिया।

## उत्तराखंड में पीएमईजीपी के तहत राज्य स्तरीय मॉनिटरिंग समिति की बैठक

प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत राज्य स्तरीय निगरानी समिति की वर्चुअल बैठक श्री अमित सिंह नेगी (आईएएस) सचिव, एमएसएमई, उत्तराखंड सरकार की अध्यक्षता में 9/11/2021 को देहरादून में सम्पन्न हुई।

इस बैठक में श्री एस. सी. नौटियाल, निदेशक उद्योग, श्री रावत, एसएलबीसी संयोजक और श्री राम नारायण, राज्य निदेशक प्रभारी/ संयोजक एसएलएमसी भी उपस्थित थे।

## मदुरै में एमएसएमई वेबिनार कार्यक्रम के तहत उद्यमिता पर एक ई-एनएलएपी आयोजित

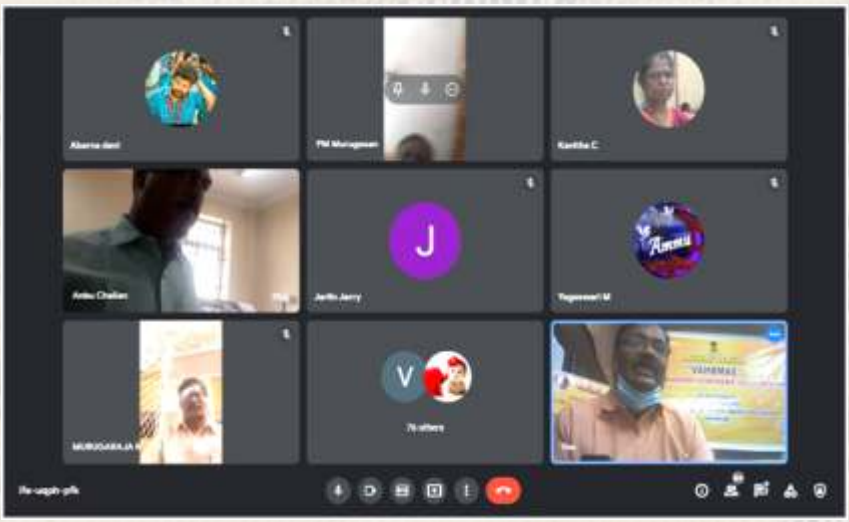

आयोग के मंडलीय कार्यालय, मदुरै ने 12.11.2021 को श्री मीनाक्षी गवर्नमेंट आर्ट्स महिला कॉलेज (ए), मदुरै के छात्रों के लिए एमएसएमई वेबिनार कार्यक्रम के तहत उद्यमिता पर एक ई-एनएलएपी आयोजित किया। आयोग के मण्डलीय निदेशक प्रभारी, मदुरै श्री आर.पी. अशोकन ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और श्रीमती डॉ. एस. वनथी, प्राचार्य, श्री मीनाक्षी गवर्नमेंट आर्ट्स महिला कॉलेज (ए), मदुरै ने अध्यक्षीय भाषण दिया । वेबिनार में एमएसएमई मंत्रालय द्वारा प्रदान की गई तीन वीडियो फिल्मों को भी दिखाया गया।

## उदलगुड़ी में पीएमईजीपी पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

9 नवंबर, 2021 को उदलगुड़ी जिले के मजबत में पीएमईजीपी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। श्री चरण बोरो, स्थानीय विधायक, मजाबत ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

आयोग के माननीय सदस्य, मध्य क्षेत्र श्री जयप्रकाश गुप्ता ने 16.11.2021 का आयोग के राज्य कार्यालय, रायपुर का दौरा किया और कार्यालय के माध्यम से चलायी जा रही खादी ग्रामोद्योग विकासात्मक गतिविधियों की समीक्षा की ।

आयोग के माननीय सदस्य, उत्तर क्षेत्र ने 16/10/2021 को हिमाचल खादी आश्रम शिमला (हिमाचल प्रदेश) के पदाधिकारियों एवं आयोग के राज्य कार्यालय, शिमला के निदेशक और कर्मचारियों के साथ बैठक कर खादी ग्रामोद्योग विकासात्मक गतिविधियों की समीक्षा की।

17 नवंबर, 2021 को आईआईई, गुवाहाटी में उत्तर पूर्व क्षेत्र स्फूर्ति क्लस्टर समीक्षा बैठक आयोजित की गयी।

# खादी ग्रामोद्योग की नई पहल, नदियों में प्रदूषण रोकने के लिए मंदिरों में चढ़ाए गए फूलों से बनाई जाएंगी सुगंधित अगरबत्ती

मंदिरों और घरों से निकले हुए फूलों से बनेंगी अगरबत्तियां. (सांकेतिक तस्वीर)

इस समय दिल्ली में रोजाना दो टन फूल उनकी संस्था की ओर से रिसाइकिल किया जा रहा है, जिसमें महिलाओं की ओर से पहले फूलों को सुखाया जाता है इसके बाद उसे मशीन में डालकर अगरबत्ती बनायी जाती है।

आम दिनों में या फिर किसी त्योहार के समय जब हम पूजा पाठ करते हैं तो भगवान को चढ़ाए हुए फूलों को नदियों में विसर्जित कर देते हैं। खादी ग्रामोद्योग की ओर से नई पहल की गई है, इसके तहत मंदिरों और घरों से निकले हुए फूलों को नदियों में बहाने के बजाए उसे रिसाइकिल करके सुगंधित अगरबत्ती बनाने का काम शुरू किया जा रहा है।

नई दिल्ली में आईटीपीओ (भारतीय व्यापार संवर्धन संगठन) मेले में खादी से बनी वस्तुओं की प्रदर्शनी लगाई गई है, जिसमें आत्मनिर्भर भारत और लोकल फोर वोकल को तरजीह दिया जा रहा है। खादी लोकल फार वोकल के तहत उन लोगों को आर्थिक मदद भी कर रहा है जो स्वंय समूह के माध्यम से काम शुरू कर रहे हैं।

## दिल्ली से बड़े मंदिरों से करार

इस क्षेत्र में काम करने वाली उद्यमी सुरभी बंसल ने Tv9 भारतवर्ष से खास बातचीत में बताया कि हमने दिल्ली के बड़े मंदिर जिसमें कनॉट प्लेस का हनुमान मंदिर, लोधी रोड का सांई बाबा मंदिर शामिल है उससे करार किया है। वहां प्रतिदिन प्रयोग में लाए जाने वाले फूलों को हम भगवान पर चढ़ाने के बाद रिसाइकिल करते हैं।

## रोजाना दो टन फूल हो रहे रिसाइलकल

सुरभी बंसल ने बताया कि इस समय दिल्ली में रोजाना दो टन फूल उनकी संस्था की ओर से रिसाइकिल किया जा रहा है, जिसमें महिलाओं की ओर से पहले फूलों को सुखाया जाता है इसके बाद उसे मशीन में डालकर अगरबत्ती बनायी जाती है।

## पूरी तरह आर्गेनिक है

इस तरह के उत्पाद सामान्य प्रोडक्ट से काफी बेहतर है। खादी की ओर से यह बताया गया कि सामान्य अगरबत्ती में 18 प्रतिशत तक कार्बन का उत्सर्जन होता है, इसके ठीक विपरीत इस तरह के उत्पाद को बनाने के बाद महज तीन प्रतिशत तक ही कार्बन का उत्सर्जन होता है जो कि वातावरण के लिहाज से भी काफी सही है।

## ट्रेनिंग दी जा रही है

ऐसे लोग जो इस तरह के चीजों को बनाकर अपना रोजगार शुरू करना चाहते हैं उनके लिए खादी ग्रामोद्योग आयोग की ओर से ट्रेनिंग की भी विशेष व्यवस्था की जा रही है। वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) की ओर से लोगों को इस बात की ट्रेनिंग दी जा रही है कि कैसे इस तरह के उत्पादों को बनाया जा सकता है। केंद्रीय मंत्री श्री नारायण राणे का कहना है कि खादी को जब हम गांव-गांव से जोड़ेंगे तो उससे गांवों के स्तर पर आर्थिक सम्पन्नता आएगी। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत की कोशिशों को बल मिलेगा और खादी जन जन तक पहुंचेगी।

साभार: कुमार कुन्दन,https://www.tv9hindi.com

◆◆◆

# प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी)

## नए स्व-रोजगार उद्यमों की स्थापना के माध्यम से स्थायी रोजगार प्रदान करने का एक प्रमुख कार्यक्रम

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा संचालित एक केन्द्रीय योजना है। इस योजना को राष्ट्रीय स्तर पर एकल नोडल एजेंसी के रूप में एमएसएमई मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक सांविधिक संगठन खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है। राज्य स्तर पर, इस योजना को राज्य केवीआईसी निदेशालयों, ग्रामीण क्षेत्रों में राज्य खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड (केवीआईबी) और ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में जिला उद्योग केंद्रों (डीआईसी) और कॉयर गतिविधियों के लिए कॉयर बोर्ड के माध्यम से कार्यान्वित किया जाता है। योजना के तहत सरकारी सब्सिडी केवीआईसी द्वारा चिन्हित बैंकों के माध्यम से लाभार्थियों/उद्यमियों को उनके बैंक खातों में वितरण के लिए भेजी जाती है।

**उद्देश्य**

(i) नए स्वरोजगार उद्यमों/परियोजनाओं/सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना के माध्यम से देश के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों का सृजन करना।

(ii) व्यापक रूप से दूर-दूर अवस्थित परंपरागत कारीगरों/ ग्रामीण और शहरी बेरोजगार युवाओं को एक साथ लाना और जहाँ तक संभव हो, स्थानीय स्तर पर ही उन्हें स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना।

(iii) देश के परंपरागत और संभावित अधिकतर कारीगरों, ग्रामीण तथा शहरी बेरोजगार युवाओं को निरंतर और दीर्घकालिक रोजगार उपलब्ध कराना, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों की ओर उनका पलायन रोका जा सके।

(iv) कारीगरों की पारिश्रमिक-अर्जन क्षमता बढ़ाना और ग्रामीण तथा शहरी रोजगार की विकास दर बढ़ाने में योगदान करना।

**वित्तीय सहायता की प्रकार और स्वरूप**

**I. मार्जिन मनी सब्सिडी**

(I) नए सूक्ष्म उद्यमों (इकाइयों) की स्थापना के लिए मार्जिन मनी राशि के वितरण हेतु वार्षिक बजट अनुमानों के तहत धन आवंटित किया जा रहा है तथा

(ii) मार्जिन मनी सब्सिडी के लिए बजट आकलन के तहत आवंटित निधियों में से, रु.100 करोड़ अथवा सक्षम प्राधिकारी द्वारा यथा अनुमोदित को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के दौरान मौजूदा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम इकाइयों के उन्नयन के लिए मार्जिन मनी के रूप में संवितरण हेतु चिन्हित किया जाएगा।

**II. बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज**

पीएमईजीपी के समक्ष एक वित्तीय वर्ष के लिए बजट अनुमान के तहत कुल आवंटन का 5% बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज के तहत निधि के रूप में

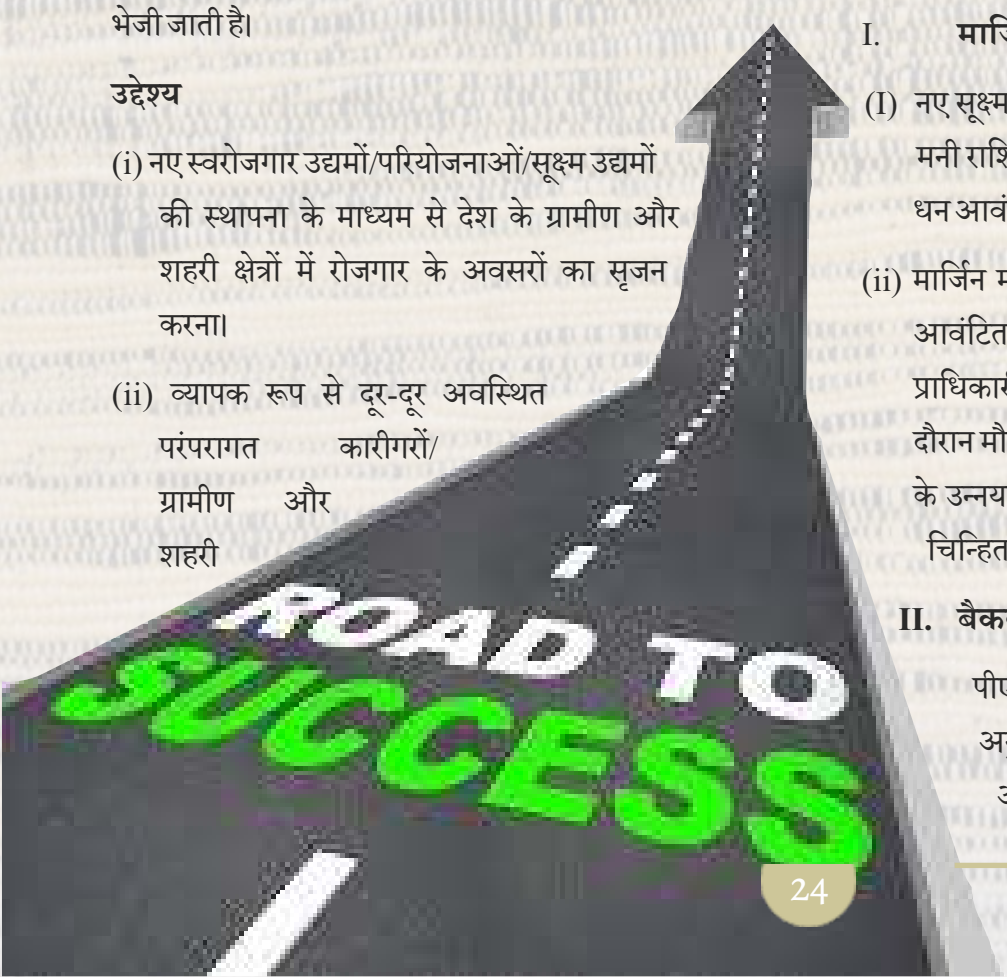

चिन्हित किया जाएगा और इसका उपयोग जागरूकता शिविरों, प्रदर्शनियों, बैंकरों की बैठकों, टीए/डीए, प्रचार, ईडीपी, भौतिक सत्यापन समवर्ती मूल्यांकन आदि और केवीआईसी द्वारा अन्य बकाया देनदारियों के निपटान के लिए उपयोग किया जा रहा है।

**पीएमईजीपी के अंतर्गत निधीयन के स्तर**

(i) नए सूक्ष्म उद्यमों (इकाइयों) की स्थापना के लिए पीएमईजीपी के अंतर्गत लाभार्थियों की श्रेणी लाभार्थी का अंशदान (परियोजना लागत में) सब्सिडी की दर

- 18 वर्ष से अधिक आयु का कोई भी व्यक्ति।
- पीएमईजीपी के अंतर्गत परियोजनाओं की स्थापना के लिए सहायता हेतु कोई आय सीमा नहीं होगी।
- विनिर्माण क्षेत्र में रु.10 लाख और व्यवसाय/सेवा क्षेत्र में रु.5 लाख से अधिक लागत वाली परियोजनाएँ स्थापित करने के लिए लाभार्थी की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता आठवीं कक्षा उत्तीर्ण होनी चाहिए।
- विशेष रूप से पीएमईजीपी के अंतर्गत संस्वीकृत नई परियोजनाओं के लिए ही इस योजना के अंतर्गत सहायता उपलब्ध है।

| पीएमईजीपी के अंतर्गत लाभार्थियों की श्रेणी | लाभार्थी का अंशदान (परियोजना लागत में) | सब्सिडी की दर (परियोजना लागत में) | |
|---|---|---|---|
| (परियोजना लागत में) सब्सिडी की दर | | शहरी | ग्रामीण |
| सामान्य श्रेणी | 10% | 15% | 25% |
| विशेष (अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / अन्य पिछड़े वर्ग / अल्पसंख्यक / महिला, पूर्व सैनिक, शारीरिक रूप से दिव्यांग, पूर्वोत्तर क्षेत्र, पहाड़ी और सीमावर्ती क्षेत्र आदि | 05% | 25% | 35% |

**नोट:**

(1) विनिर्माण क्षेत्र के अंतर्गत परियोजना/इकाई की अधिकतम स्वीकार्य लागत रु.25 लाख है।

(2) व्यवसाय/सेवा क्षेत्र के अंतर्गत परियोजना/इकाई की अधिकतम स्वीकार्य लागत रु.10 लाख है।

(3) कुल परियोजना लागत की शेष राशि बैंकों द्वारा मियादी त्रृण के रूप में उपलब्ध कराई जाएगी।

**लाभार्थियों की पात्रता की शर्तें**

पीएमईजीपी नए उद्यमों (इकाइयों) के लिए

- सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अंतर्गत पंजीकृत संस्थाएँ।
- उत्पादन सहकारी समितियाँ, और
- धर्मार्थ न्यास।
- वर्तमान इकाइयाँ (पीएमआरवाई, आरईजीपी या भारत सरकार या राज्य सरकार की किसी अन्य योजना के अंतर्गत) तथा वे इकाइयाँ जो भारत सरकार या राज्य सरकार की किसी अन्य योजना के अंतर्गत सरकारी सब्सिडी का लाभ उठा चुकी हैं, पात्र नहीं हैं।

# प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के तहत महिला उद्यमियों के सफलता की कहानियां

## एक उद्यमी बनने की लालसा और समर्पण ने चप्पीडी हेमवती को शिखर पर पहुंचाया

श्रीमती चप्पीडी हेमवती, चित्तूर जिले के सोदम मंडल के चेराकुवरिपल्ले की रहने वाली है। उनकी योग्यता एक स्नातकोत्तर है, अपनी पारिवारिक आय में सुधार करने के लिए, वह राइस मिल इकाई स्थापित करना चाहती थीं।

उन्होंने केवीआईसी अधिकारी से फोन पर संपर्क किया और परियोजना रिपोर्ट के साथ व्यक्तिगत रूप से केवीआईसी चित्तूर फील्ड अधिकारी से मुलाकात की। केवीआईसी फील्ड ऑफिसर के मार्गदर्शन में उन्होंने प्रधान मंत्री रोज़गार सृजन कार्यक्रम के तहत ऑनलाइन आवेदन किया।

केवीआईसी ने ऋण की मंजूरी के लिए इंडियन बैंक, सोडाम के लिए उनके आवेदन को प्रायोजित किया है। इंडियन बैंक, सोडाम ने परियोजना के लिए रु.10.00 लाख का ऋण स्वीकृत किया है।

एक उद्यमी बनने के लिए गहरी दिलचस्पी और समर्पण के साथ श्रीमती चप्पीडी हेमवती ने अपने दृढ़ आत्मविश्वास के साथ कड़ी मेहनत की। इन्होंने अक्टूबर 2019 में चेराकुवरिपल्ले में राइस मिल यूनिट की स्थापना की।

श्रीमती चप्पीडी हेमवती ने इकाई की स्थापना की तिथि से ही अच्छी ग्राहक सेवा को महत्व दिया है। इनकी यूनिट में 14 कर्मचारियों प्रारंभ से कार्य कर रहे है।

वे 30,000/- से 45,000/- प्रति माह की कुल आय अर्जित कर रही है और इन्होंने स्वरोजगार गतिविधि शुरू करने के लिए पर्याप्त प्रशिक्षण, वित्त और आवश्यक मार्गदर्शन के लिए केवीआईसी और बैंक के प्रति अपनी खुशी और आभार व्यक्त किया है।

◆◆◆

| | |
|---|---|
| केवीआईसी कार्यालय का नाम | राज्य कार्यालय, विजयवाड़ा |
| इकाई का नाम | द्वारका फलोर एण्ड राइज़ मिल |
| प्रायोजक बैंक का नाम | इण्डियन बैंक, सोडाम ब्रांच |
| उद्यमी का नाम | श्रीमती चप्पीडी हेमवती |
| इकाई का पता | चेराकुवरिपल्ले, सोदम मंडल, चित्तूर जिला |
| आयु | 30 वर्ष |
| शैक्षणिक योग्यता | स्नातकोत्तर |
| पीएमईजीपी ऋण प्राप्त करने से पहले की वित्तीय स्थिति | 6000/- |
| पीएमईजीपी ऋण प्राप्त करने का वर्ष और महीना | अक्टूबर - 2019 |
| पीएमईजीपी योजना के संपर्क में कैसे हुआ | KVIC - प्रचार और KVIC के फील्ड ऑफिसर के माध्यम से |
| प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम | पीएमईजीपी - ईडीपी |

## तृप्ति ने अपनी लगन और आत्मविश्वास से मेसर्स एस.एस. किचन बर्तन निर्माण इकाई स्थापित की

तृप्ति, गुंटूर जिले के तेनाली के सोमसुंदरा पालयम की रहने वाली है, इनकी योग्यता एसएससी है। स्वरोजगार अपनाने एवं अपनी आय में सुधार की दृष्टि से, वे किचन वेयर यूनिट का निर्माण करना चाहती थी।

इन्होंने अपने पति से मार्गदर्शन लिया और परियोजना रिपोर्ट के साथ केवीआईसी अधिकारियों से संपर्क किया और केवीआईसी ने इनके आवेदन को बैंक ऑफ इंडिया, तेनाली को प्रायोजित किया। बैंक ऑफ इंडिया, तेनाली ने परियोजना के

| | |
|---|---|
| केवीआईसी कार्यालय का नाम | राज्य कार्यालय, विजयवाड़ा |
| इकाई का नाम | एस.एस. किचेन वेयर |
| प्रायोजक बैंक का नाम | बैंक ऑफ इण्डिया, तेनाली |
| उद्यमी का नाम | तृप्ति |
| इकाई का पता | ऑटोनगर, तेनाली, गुंटूर जिला |
| आयु | 45 वर्ष |
| शैक्षणिक योग्यता | दसवीं |
| पीएमईजीपी ऋण प्राप्त करने से पहले की वित्तीय स्थिति | 5000/- |
| पीएमईजीपी ऋण प्राप्त करने का वर्ष और महीना | मार्च - 2017 |
| पीएमईजीपी योजना के संपर्क में कैसे हुआ | मित्रों के माध्यम से |
| योजना जिसके तहत लाभ मिला है | पीएमईजीपी -केवीआईसी |

लिए 20.00 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत किया।

इन्होंने पीएमईजीपी के तहत सामान्य उद्यमिता विकास कार्यक्रम में भाग लिया और इकाई स्थापित करने के लिए उद्यमशीलता दक्षता, संचार कौशल, लाइसेंस / प्रक्रियाएं सीखी हैं।

एक उद्यमी बनने के लिए गहरी दिलचस्पी और समर्पण के साथ इन्होंने अपने आत्मविश्वास में सुधार किया और कड़ी मेहनत की। इन्होंने मार्च 2017 में ऑटोनगर, तेनाली में मेसर्स एस.एस. किचन बर्तन निर्माण इकाई शुरू की।

इन्होंने इकाई की स्थापना के शुरुआत से ही अच्छी ग्राहक सेवा को महत्व दिया है। इनकी यूनिट द्वारा प्रारंभ में 20 कर्मचारियों को रोजगार दिया जा रहा है। तृप्ति, 20,000/- से 25,000/- प्रति माह की कुल आय अर्जित कर रही है और इन्होंने स्वरोजगार गतिविधि शुरू करने के लिए पर्याप्त प्रशिक्षण, वित्त और आवश्यक मार्गदर्शन के लिए केवीआईसी और बैंक के प्रति अपनी खुशी और आभार व्यक्त किया।

अब तृप्ति, कहती हैं, केवीआईसी द्वारा शुरू किया गया ऑनलाइन प्रशिक्षण उपयोगी है और वे अधिक से अधिक महिलाओं को रोजगार देना चाहती है और महिलाओं को उद्यमी बनने के लिए मार्गदर्शन करना चाहती है। ◆◆◆

# प्रेस कवरेज

## Kashi to weave Pashmina soon, boost Leh-Ladakh biz

Binay Singh | TNN

Varanasi: In a path-breaking move, the globally acclaimed fine and exquisite Pashmina wool fabric will soon be woven in Varanasi in a first-ever attempt of the Khadi & Village Industries Commission (KVIC) to introduce the heritage craft of Pashmina weaving outside Leh-Ladakh and Jammu & Kashmir and familiarize artisans in the rest of India with this unique art.

KVIC has roped in four Khadi institutions from Varanasi and Ghazipur districts in Uttar Pradesh for processing raw Pashmina wool and weaving it into the woolen luxury fabric that has huge demand world over. The four



Four khadi units in Varanasi, and Ghazipur join the KVIC initiative

Khadi institutions are Krishak Gramodyog Vikas Sansthan, Varanasi, Shri Mahadev Khadi Gramodyog Sansthan Ghazipur, Khadi Kambal Udyog Sansthan, Ghazipur and Gram Sewa Ashram Ghazipur.

▶ Online marketing, P 2

## केंद्रीय मंत्री नारायण राणे आज गुवाहाटी में

### पूर्वोत्तर एमएसएमई कांक्लेव की करेंगे अध्यक्षता, सीएम भी रहेंगे मौजूद

पूर्वांचल प्रहरी डेस्क संवाददाता

गुवाहाटी : केंद्रीय एमएसएमई मंत्री नारायण राणे 18 नवंबर, 2021 को गुवाहाटी में असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्वशर्मा के साथ सभी पूर्वोत्तर राज्यों के वरिष्ठ मंत्रियों और गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में पूर्वोत्तर एमएसएमई सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे। कॉन्क्लेव का आयोजन एमएसएमई मंत्रालय की ओर से किया गया और इसका उद्देश्य पूर्वोत्तर क्षेत्र में एमएसएमई के लिए उद्यमिता और व्यापार के अवसरों को बढ़ावा देना है। एमएसएमई क्षेत्र रोजगार सृजन और विनिर्माण आधार के विस्तार के मामले में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वर्तमान में इसमें 11 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार देने वाली 6 करोड़ इकाइयां शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि एमएसएमई सकल घरेलू उत्पाद में 30 प्रतिशत से अधिक योगदान और भारत से कुल निर्यात का करीब 49 प्रतिशत से आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदानकर्ता है। भारत का विकास तभी हो सकता है जब हम उत्तर-पूर्व का विकास करें और यह एमएसएमई मंत्रालय की सर्वोच्च प्राथमिकता भी है। मंत्रालय ने ■ शेष पृष्ठ 11 पर

## 'KVIC to train artisans, extend online marketing support to four khadi units'

## केंद्रीय मंत्री नारायण राणे आज...

इस क्षेत्र में आर्थिक समृद्धि लाने और देश के सकल घरेलू उत्पाद में उनके योगदान को बढ़ावा देने के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र में एमएसएमई के विकास पर विशेष ध्यान दिया है। भारतीय अर्थव्यवस्था और एमएसएमई क्षेत्र के प्रदर्शन के बीच संबंध कभी भी अधिक सरेखित नहीं हुए हैं। यह आने वाले वर्षों में और बढ़ेगा। हमारी अर्थव्यवस्था पर एमएसएमई के प्रभाव को देखते हुए युवाओं में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए जोर दिया जाना चाहिए और उन्हें भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में एक अभिन्न भूमिका निभाने का मौका देना चाहिए, जिससे 5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था के सपने को साकार किया जा सके। गौरतलब है कि इस तरह के सम्मेलन पूर्वोत्तर क्षेत्र को बदले हुए आर्थिक परिदृश्य में उद्यमिता को प्रोत्साहित करने और क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के प्रयासों में मदद करेंगे। इससे मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित योजनाओं के बारे में समझ विकसित करने के साथ-साथ राज्य सरकारों और अन्य हितधारकों के साथ बातचीत शुरू करने में मदद मिलेगी जो इस क्षेत्र के लिए नीतियों के बेहतर नियोजन और निष्पादन में मदद करेगी।

## खादी स्टोर ने एक दिन में की 1.29 करोड़ की रिकार्ड बिक्री

नई दिल्ली। कनॉट प्लेस स्थित खादी शोरूम ने एक दिन में 1.29 करोड़ रुपये की रिकार्ड बिक्री की है। यह बिक्री शोरूम ने 30 अक्तूबर को की। ये जानकारी एमएसएमई मंत्रालय ने सोमवार को दी। इससे पहले एक दिन में खादी की सबसे ज्यादा बिक्री 1.28 करोड़ रुपये दो अक्तूबर 2019 को हुई थी। मंत्रालय की ओर से कहा गया कि पीएम मोदी की अपील के जवाब में इस त्योहारी सीजन में स्वदेशी उत्पादों की खरीद के लिए उमड़े लोगों ने खादी के लिए करिश्मा कर दिया। सीपी स्थित मुख्य शोरूम ने पिछले सारे रिकार्ड तोड़ते हुए 30 अक्तूबर को 1.29 करोड़ रुपये की बिक्री की।

जारी बयान में कहा गया कि 2016 से ये 13वीं बार है जब किसी शोरूम पर एक दिन में करोड़ रुपये से ज्यादा की बिक्री हुई है। वहीं इस साल अक्तूबर में ये दूसरी बार है जब खादी की बिक्री एक करोड़ का आंकड़ा पार कर गई। इस साल गांधी जयंती के अवसर पर 1.02 करोड़ रुपये की बिक्री हुई थी। एजेंसी

millenniumpost
Delhi Edition
24 Nov 2021

## KVIC signs MoU with Haryana and Chhattisgarh govt for 31 manufacturing units of Khadi Prakritik Paint

*First Prakritik Paint unit in Haryana has been set up at Pinjore near Chandigarh where over 6000 liters of Prakritik Paint has already been produced. Another 5 paint manufacturing units will be set up by March 2022*

## गोलाघाट में प्रधानमंत्री स्वनियोजन योजना को लेकर सभा का आयोजन



## स्वयंरोजगार शिबिराला उत्तम प्रतिसाद

# सोशल मीडिया पर केवीआईसी

## - फेसबुक पर

# सोशल मीडिया पर केवीआईसी

## - इंस्टाग्राम पर

सत्यमेव जयते

सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार
Ministry of Micro, Small & Medium Enterprises,
Government of India.

# Khadi India

# हस्तनिर्मित

स्विट्जरलैंड से पेन और घड़ियाँ,
फ्रांस से चमड़े के जूते,
इटली से पर्स व बटुए और
मिस्र से कॉटन वस्त्र.

**आप इन विदेशी वस्तुओं के लिए हजारों खर्च करते हैं और खरीदते हैं,**
**और जब भारतीय हस्तशिल्प खरीदने की बात आती है, आप संकोच करते हैं !**

## इस अवसर पर

अपने शहर के किसी खादी इण्डिया आउटलेट पर जाएं,
गर्व से खरीदें उच्च गुणवत्ता के हस्तनिर्मित वस्त्र और उत्पाद,
जो आपके देशवासियों द्वारा ग्रामीण भारत में बनाये गए हैं !

## क्यों विदेशी हाथों को भुगतान करें ?
## भारत की आत्मीयता को महसूस करें

## खादी और ग्रामोद्योग आयोग

सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार
वेबसाइट : www.kvic.org.in

KVIC ARTWING 2018

https://www.msme.gov.in | Follow us on minmsme @minmsme | Website: www.kvic.org.in | Follow us on kvicindia @kvicindia